UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल
मानविकी विद्याशाखा

सत्रीय कार्य (ASSIGNMENT) - 2016 -17

बी0ए0 – 12/16 (कला में स्नातक) **द्वितीय वर्ष, द्वितीय पत्र**

कर्मकाण्ड

कोर्स शीर्षक - पूजन एवं देवस्थापन विधान
कोर्स कोड - BAKK - 202
शैक्षिक सत्र - 2016 – 17
अधिकतम अंक – 40/30
जमा करने की अन्तिम तिथि – 30 अप्रैल 2016

निर्देश: -

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है, उनमें से किन्हीं चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। खण्ड 'ख' में 4 प्रश्न दिये गये हैं। जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। इस खण्ड का प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है। बी0ए0- 12 पाठ्यक्रम कोड के अभ्यर्थियों के लिये सत्रीय कार्य का पूर्णांक 40 अंक का तथा बी0ए0एस -16 कोड के अभ्यर्थियों के लिये पूर्णांक 30 अंक का होगा।

खण्ड – 'क'

1. पूजन से क्या तात्पर्य है ? उसका प्रयोजन एवं महत्व का लेखन कीजिये।
2. स्वस्तिवाचन एवं संकल्प का संक्षिप्त परिचय दीजिये।
3. गणेशाम्बिका पूजन विधि का उल्लेख कीजिये।
4. कलश स्वरूप का विवेचन कीजिये।
5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिये -
   क. पुण्याहवाचन ख. अभिषेक
6. कर्मकाण्ड में कथित सप्तघृतमातृका पूजन विधि का वर्णन कीजिये।
7. नवग्रह मण्डल निर्माण विधि का संक्षिप्त उल्लेख कीजिये।
8. कलश स्थापन का महत्व प्रतिपादित कीजिये ।

खण्ड - 'ख'

1. अधिदेवता, प्रत्यधिदेवता एवं पंचलोक पाल का आवाहन एवं पूजन का विस्तृत वर्णन कीजिये ।
2. वास्तोष्पत्ति, क्षेत्रपाल एवं दस दिक्पाल का पूजन विधि का उल्लेख कीजिये।
3. असंख्यात् रूद्रस्थापन से आप क्या समझते है ? स्पष्ट कीजिये ।
4. नवग्रह स्तोत्र पाठ का अर्थसहित लेखन कीजिये ।